अनगड़ा प्रखंड में मनाया गया विश्व दिव्यांगता दिवस

विश्व दिव्यांगता दिवस पर सम्मानित होते दिव्यांग.

रांची जिले के अनगड़ा प्रखंड में विश्व दिव्यांगता दिवस मनाया गया. कार्यक्रम में अनगड़ा प्रखंड के बीडीओ, जेएसएलपीएस के पदाधिकारी समेत कई लोग शामिल हुए. विश्व दिव्यांगता दिवस के मौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के लिए खेल और संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. कुर्सी रेस, साइकिल रेस, मटकी फोड़, जलेबी रेस और वैशाखी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता के बाद सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. अनगड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी दिव्यांगजनों को शुभकामना दीं. बीडीओ ने दिव्यांग तबरेज अंसारी की तारीफ करते हुए कहा कि दिव्यांगों के हित में वो हरसंभव मद करेंगी. दिव्यांग लीला कुमारी ज्योति दिव्यांग समूह गेतलसूद की रहनेवाली हैं. लीला अपने समूह के साथ मिलकर कैंटीन चलाती हैं. उन्होंने बताया कि पहले वो खुद को बेबस समझती थीं, लेकिन जब जेएसएलपीएस की ओर से दिव्यांग समूह का गठन किया गया, तब से उसके अंदर आत्मविश्वास आ गया है. लीला अब वैसे लोगों को चुन कर समूह बनाती हैं, जो दिव्यांग हैं. हेसल गांव में दुकान चलानेवाले दिव्यांग तबरेज अंसारी ने बताया कि आज उन्हें बहुत खुशी हो रही है. आशा दिव्यांग समूह से जुड़ कर अब तबरेज अंसारी की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हो रहा है. तबरेज ने बताया कि अनगड़ा प्रखंड में जितने भी दिव्यांग हैं, उनके लिए दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाना, राशन कार्ड बनाना, पेंशन दिलाना जैसे काम करते हैं. वो दिव्यांगों की समस्या का समाधान करने का प्रयास करते हैं. बता दें कि अनगड़ा प्रखंड के दिव्यांग समूह को देखने के लिए कई लोग बाहर से आ चुके हैं. उनके द्वारा बनाये गये अचार और पापड़ को मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भी खरीदकर सराहना की है. तबरेज को जिलास्तरीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है. ये सफलता उनके लिए सपने जैसा है. मौके पर दिव्यांग एवं सहायता केंद्र द्वारा तबरेज अंसारी, गुलजार अंसारी, मोहराई महतो, रंगलाल महतो, ललिता कुमारी, लीला कुमारी और संजय उरांव को पांच-पांच हजार रुपये की अनुदान राशि दी गयी. इस कार्य के लिए सभी ने जेएसएलपीएस को धन्यवाद दिया.

रूबी खातून

प्रखंड : अनगड़ा
जिला : रांची

सखी मंडल के जरिये खुद को स्थापित करतीं ग्रामीण महिलाएं

झारखंड की ग्रामीण महिलाएं अब खुद के दम पर गांव और समाज में अपनी अलग पहचान स्थापित कर रही हैं. जेएसएलपीएस के सहयोग से सखी मंडल की दीदियां बेहतर कर रही हैं. चाहे वो कृषि का क्षेत्र हो, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हो या फिर खुद को एक बेहतर व्यवसायी के तौर पर स्थापित करके दूसरी महिलाओं को रोजगार देने का मामला हो, ग्रामीण महिलाएं किसी क्षेत्र भी में पीछे नहीं हैं. यह महिला समूहों की ही ताकत है कि महिलाओं ने मनोहरपुर में एक साप्ताहिक बाजार शुरू किया है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है. डुमरी में एक महिला ईंट भट्ठा खोलकर दूसरी महिलाओं को रोजगार दे रही है. इस तरह के अनेक उदारहण राज्य के सुदूरवर्ती गांवों में देखने के लिए मिल रहे हैं. यह ग्रामीण महिलाओं की जागरूकता का ही परिणाम है.

मालश्रृंग कलस्टर में जनसेवा केंद्र का उद्घाटन

सुमन देवी

प्रखंड : कांके
जिला : रांची

रांची जिला अंतर्गत कांके प्रखंड के मालश्रृंग कलस्टर के गागी गांव में आजीविका जनसेवा केंद्र का उद्घाटन किया गया. उद्घाटन के दौरान मालश्रृंग पंचायत की मुखिया, गागी के मुखिया, जिला परिषद सदस्य अनिल टाइगर, सीसी विनीता देवी, पीआरपी निर्मला गाड़ी समेत सखी मंडल की महिलाएं और कई लोग शामिल हुए. इस मौके पर आजीविका जनसेवा केंद्र से मिलनेवाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गयी. मौके पर बताया गया कि केंद्र में पैन कार्ड, बिजली बिल, रेलवे, बस और एयर टिकट की बुकिंग, वाहन बीमा, मोबाइल रिचार्ज, पैसा ट्रांसफर, डीटीएच रिचार्ज, बैंक बैलेंस चेक करना, पासपोर्ट जैसी सुविधाएं दी जायेंगी. इसके साथ ही झारसेवा के अंतर्गत आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र मुफ्त में बनाये जायेंगे. जिला परिषद सदस्य अनिल टाइगर ने कहा कि अब महिलाएं किसी से कम नहीं हैं और कदम से कदम मिला कर कार्य कर रही हैं. उन्होंने बताया कि जन सेवा केंद्र का संचालन भी महिला ही करेगी. गांव भी अब डिजिटल हो रहे हैं. गांव की महिलाएं कंप्यूटर चला रही हैं. इतना ही नहीं, सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीण महिलाओं को पहुंचा रही हैं. गागी के मुखिया ने पैन कार्ड के महत्व के बारे में बताते हुए कहा पहले पैन कार्ड बनाने में एक से डेढ़ महीने का समय लगता था और पैसे भी अधिक लगते थे, लेकिन अब झारखंड सरकार द्वारा कम समय और किफायती दर पर पैन कार्ड बनाया जा रहा है. आय और जाति प्रमाण पत्र भी अब कम समय में बन जायेगा. केंद्र से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी मिलने के बाद महिलाएं काफी खुश हुईं.

जैविक कीटनाशक दिला रहा पाला से निजात

नयनतारा कुमारी

प्रखंड : लेस्लीगंज
जिला : पलामू

पलामू जिले के लेस्लीगंज प्रखंड अंतर्गत ग्राम धनगांव की संध्या अपने खेतों में जैविक खाद और कीटनाशक का इस्तेमाल करती हैं. संध्या अपने गांव के किसानों को भी जैविक कृषि के फायदे के बारे में बता रही है. इसके कारण गांव के अधिकांश लोग जैविक खेती कर रहे हैं और अपने घर पर ही जैविक खाद और कीटनाशक का निर्माण कर रहे हैं. संध्या देवी ठंड के मौसम में अपने फसलों को पाला से बचाने के लिए सोठास्त्र का इस्तेमाल करती है, जो काफी फायदेमंद हो रहा है. सोठास्त्र बनाने के लिए आप दो सौ ग्राम सूखा अदरक, दो लीटर दूध दो और दो लीटर पानी लें. पहले सूखे अदरक का चूर्ण बनाकर दो लीटर पानी में तब तक उबाले जब तक पानी आधा न हो जाये. फिर इसमें उबला हुआ दो लीटर दूध डाल दें. इस दवा के तैयार होने के बाद 30-40 एमएल प्रति लीटर पानी में मिलाकर दवाई मिलाकर पौधों में छिड़काव करें. इससे पौधों को पाला नहीं लगेगा.

पौधों को पाला से बचाने के लिए जैविक कीटनाशक का छिड़काव करतीं संध्या देवी.

किसानों की आय दोगुनी से चौगुनी करने पर जोर

अपने खलिहान में खड़ी महिला किसान.

केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कई प्रकार की योजनाएं चला रही है. देश के कृषि वैज्ञानिक भी नयी तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं. इसका असर भी दिख रहा है. कई किसान खेती-बारी से अच्छी कमाई भी कर रहे हैं. किसानों की आय में बढ़ोतरी के लिए कई प्रकार के उपाय किए जा रहे हैं.

बेहतर उत्पादन के लिए इन बातों का रखें ध्यान

मिट्टी की जांच : किसी भी फसल के उत्पादन के लिए किसान को अपने खेतों की मिट्टी की जांच अवश्य करानी चाहिए, ताकि किसान को यह पता चल सके कि मिट्टी के मुताबिक कौन सी फसल इसमें लगा सकते हैं.

आधुनिक तकनीक का प्रयोग : मिट्टी की जांच करने के बाद खेतों की जुताई पारंपरिक तरीके से नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक यानी ट्रैक्टर या पावर टिलर से करें.

उत्तम खाद का करें प्रयोग : खेतों की जुताई के बाद उसमें गोबर खाद और केंचुआ खाद का प्रयोग करना चाहिए तथा चूना डालना चाहिए, ताकि जमीन में मौजूद फसल को नुकसान पहुंचाने वाले जीव नष्ट हो जायें.

उत्तम एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करें : किसी भी फसल के अधिक उत्पादन के लिए उत्तम एवं वैज्ञानिक विधि द्वारा प्रमाणित बीज का प्रयोग करना चाहिए.

सिंचाई की उचित व्यवस्था : फसल के लिए सिंचाई बहुत जरूरी है. फसल की वृद्धि के अनुसार समुचित सिंचाई करना चाहिए. इसलिए किसानों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सिंचाई की समुचित व्यवस्था हो.

फसल की देख-रेख : ज्यादा उत्पादन पाने के लिए फसल की उचित देख-रेख भी बेहद जरूरी है. समय पर खेतों की जुताई और समय पर बीजारोपण, खाद डालना, सिंचाई करना, खाद और कीटनाशक का प्रयोग करना जरूरी है.

फसल चक्र अपनाना : फसल के उत्पादन में वृद्धि के लिए फसल चक्र को अपनाना जरूरी है. फसल चक्र अपनाने से जमीन की उर्वरा शक्ति बनी रहती है.

बाजार व्यवस्था : किसानों की आमदनी बाजार व्यवस्था से प्रभावित होती है. किसानों की आमदनी दोगुनी से चौगुनी तभी हो सकती है, जब उसके लिए नजदीक में बाजार की व्यवस्था हो, ताकि किसान कम खर्च में अपने उत्पाद को बेहतर तरीके से बाजार में पहुंचा सकें.

सुषमा देवी

प्रखंड : कांके
जिला : रांची

आजीविका महिला संकुल संगठन में हुई बैठक

खूंटी जिले के रनिया प्रखंड अंतर्गत रनिया आजीविका महिला संकुल संगठन में इसी-वन की बैठक आयोजित हुई. बैठक में रनिया संकुल संगठन के पदाधिकारी, लेखापाल, इसी सदस्य, सीसी, सीनियर सीआरपी समेत संकुल संगठन के कई सदस्य शामिल हुए. रनिया संकुल संगठन के सदस्यों के काम करने के तरीके देखने और समझने के लिए खूंटी संकुल संगठन के सदस्य विशेष तौर पर आये थे. बैठक के दौरान बताया गया कि रनिया संकुल संगठन का इस तरह का पहला कार्यक्रम है. जिस तरह के खूंटी संकुल संगठन के सदस्य देखने आये हैं, उसी प्रकार दूसरे और संगठन के सदस्य भी रनिया संगठन के कार्यों को देखने के लिए आयेंगे. उन्होंने बताया कि रनिया सीएलएफ का चयन मॉडल सीएलएफ के तौर पर किया गया है. इसके बाद बैठक में शामिल सभी सदस्यों को वीडियो के माध्यम से बकरी पालन, पपीता और केले की खेती के बारे में बताया गया. कहा गया कि जब तक ग्रामीण महिलाएं जागरूक नहीं होंगी, तब तक न तो समूह का और ही गांव-समाज का विकास हो सकता है. समूह की दीदियों से गांव-समाज के विकास में समुचित भागीदारी निभाने की अपील की है.

अमिता देवी

प्रखंड : रनिया
जिला : खूंटी

साप्ताहिक हाट का किया गया शुभारंभ

पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत तरंगा पंचायत के डुमरेता गांव में साप्ताहिक हाट का शुभारंभ किया गया है. हाट का शुभारंभ डुमरेता आजीविका महिला ग्राम संगठन के माध्यम से किया गया है. डुमरेता में बाजार नहीं होने के कारण ग्रामीणों को दैनिक इस्तेमाल की चीजों की खरीद बिक्री के लिए काफी दूर जाना पड़ता था, जिससे काफी परेशानी होती थी. बाजार के माध्यम से सखी मंडल की महिलाओं के लिए रोजगार का एक साधन मिल गया है. सखी मंडल की महिलाएं अब सब्जी उगाकर स्थानीय बाजार में बेचती हैं. इसके अलावा आस-पास व्यापारी भी बाजार में आते हैं. डुमरेता गांव में साप्ताहिक बाजार लग जाने से ग्रामीण और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को काफी लाभ हो रहा है. इस साप्ताहिक हाट के हो जाने से ग्रामीण महिलाओं को काफी राहत पहुंचने लगी है. बता दें कि हाट की शुरुआत करने से पहले डुमरेता के ग्रामीणों और ग्राम संगठन के द्वारा निर्णय लिया गया था कि बाजार टैक्स वसूला जायेगा और जो राशि प्राप्त होगी, उसे ग्राम संगठन में रखा जायेगा, ताकि डुमरता ग्राम संगठन को लाभ मिल सके.

आशा तिग्गा

प्रखंड : मनोहरपुर
जिला : पश्चिमी सिंहभूम

ईंट से मजबूत कर रहीं अपनी जिंदगी की राह

गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड अंतर्गत सेवाटांड़ गांव की कौशल्या देवी ईंट के कारोबार से अपनी जिंदगी की राह मजबूत कर रही हैं. ईंट भट्ठा लगा कर कौशल्या अपने और अपने परिवार को आर्थिक मदद पहुंचा रही हैं. साथ ही अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा भी दिला रही हैं. कौशल्या कहती हैं कि वो वर्ष 2016 में सरस्वती सखी मंडल में अध्यक्ष के पद पर चुनी गयीं और ग्राम संगठन में भी अध्यक्ष चुनी गयीं. शुरुआत में कौशल्या समूह से छोटा लोन लेकर सब्जी उपजा कर बाजार में बेचती थीं. फिर जैसे-जैसे समूह आगे बढ़ने लगा, बैंक लिंकेज से लोन का पैसा मिला. इसके बाद कौशल्या ने 30 हजार रुपये का बड़ा लोन लेकर ईंट बनाने का काम शुरू कर दिया. कौशल्या के इस काम में परिवार और उनके पति का पूरा सहयोग मिला. कौशल्या बताती हैं कि जो महिलाएं उनके यहां काम करती हैं. उन्हें वो दैनिक मजदूरी 220 रुपये देती हैं. कौशल्या अब और बड़ा लोन लेकर अपने कारोबार को और आगे बढ़ाना चाहती हैं. कौशल्या ने कहा कि जेएसएलपीएस ने उन्हें पैरों पर खड़ा होना सीखाया. अगर समूह न होती, तो आज उसकी स्थिति इतनी मजबूत नहीं होती.

मुनिया देवी

प्रखंड : डुमरी
जिला : गिरिडीह

नयी तकनीक से बढ़ रही किसानों की आय

भारत एक कृषि प्रधान देश है. झारखंड की अधिकतर आबादी कृषि पर निर्भर है. इसलिए अब सबसे पहले किसानों को मिट्टी को बचाना होगा. रासायनिक खाद के बेतहाशा इस्तेमाल से मिट्टी की उत्पादक क्षमता घट रही है. साथ ही किसानों की जमीन भी बंजर हो रही है. अब वक्त आ गया है कि किसानों को मिट्टी को बचाने के लिए कदम उठाने होंगे. मिट्टी की कटाई को रोकने के लिए प्रयास करने होंगे. मिट्टी की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए विभिन्न महिला समूहों की महिलाओं के द्वारा घर पर ही खाद तैयार करने की विधि बतायी जा रही है. साथ ही समय पर खाद बनाकर उसे खेतों में इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है. किसानों को श्रीविधि तकनीक से खेती करने के बारे में बताया जा रहा है. वर्तमान समय में किसान गोबर, गोमूत्र, नीम की पत्ती, हींग, चूना, हरी मिर्च, तम्बाकू इत्यादि चीजों से खाद और कीटनाशक बनाकर अपने खेतों में इस्तेमाल कर सकते हैं. इससे फसल को बाजार में बेच कर अच्छा मुनाफा भी कमा सकते हैं. क्षेत्र के किसानों से अधिक से अधिक जैविक खेती को बढ़ावा देने की अपील की जा रही है.

कुमारी पूनमबाला

प्रखंड : मोरडीहा
जिला : गोड्डा